Kaila Devi Chalisa Lyrics

Kaila Devi Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
जय जय कैला मात हे, तुम्हे नमाउ माथ ॥
शरण पड़ूं में चरण में, जोड़ूं दोनों हाथ ॥

आप जानी जान हो, मैं माता अंजान ॥
क्षमा भूल मेरी करो, करूँ तेरा गुणगान ॥

॥ चौपाई ॥
जय जय जय कैला महारानी । नमो नमो जगदम्ब भवानी ॥

सब जग की हो भाग्य विधाता । आदि शक्ति तू सबकी माता ॥

दोनों बहिना सबसे न्यारी । महिमा अपरम्पार तुम्हारी ॥

शोभा सदन सकल गुणखानी । वैद पुराणन माँही बखानी ॥

जय हो मात करौली वाली । शत प्रणाम कालीसिल वाली ॥

ज्वालाजी में ज्योति तुम्हारी । हिंगलाज में तू महतारी ॥

तू ही नई सैमरी वाली । तू चामुंडा तू कंकाली ॥

नगर कोट में तू ही विराजे । विंध्यांचल में तू ही राजै ॥

धौलागढ़ बेलौन तू माता । वैष्णवदेवी जग विख्याता ॥

नव दुर्गा तू मात भवानी । चामुंडा मंशा कल्याणी ॥

जय जय सूये चोले वाली । जय काली कलकत्ते वाली ॥

तू ही लक्ष्मी तू ही ब्रम्हाणी । पार्वती तू ही इन्द्राणी ॥

सरस्वती तू विद्या दाता । तू ही है संतोषी माता ॥

अन्नपुर्णा तू जग पालक । मात पिता तू ही हम बालक ॥

तू राधा तू सावित्री । तारा मतंग्डिंग गायत्री ॥

तू ही आदि सुंदरी अम्बा । मात चर्चिका हे जगदम्बा ॥

एक हाथ में खप्पर राजै । दूजे हाथ त्रिशूल विराजै ॥

कालीसिल पै दानव मारे । राजा नल के कारज सारे ॥

शुम्भ निशुम्भ नसावनि हारी । महिषासुर को मारनवारी ॥

रक्तबीज रण बीच पछारो । शंखासुर तैने संहारो ॥

ऊँचे नीचे पर्वत वारी । करती माता सिंह सवारी ॥

ध्वजा तेरी ऊपर फहरावे । तीन लोक में यश फैलावे ॥

अष्ट प्रहर माँ नौबत बाजै । चाँदी के चौतरा विराजै ॥

लांगुर घटूअन चलै भवन में । मात राज तेरौ त्रिभुवन में ॥

घनन घनन घन घंटा बाजत । ब्रह्मा विष्णु देव सब ध्यावत ॥

अगनित दीप जले मंदिर में । ज्योति जले तेरी घर-घर में ॥

चौसठ जोगिन आंगन नाचत । बामन भैरों अस्तुति गावत ॥

देव दनुज गन्धर्व व किन्नर । भूत पिशाच नाग नारी नर ॥

सब मिल माता तोय मनावे । रात दिन तेरे गुण गावे ॥

जो तेरा बोले जयकारा । होय मात उसका निस्तारा ॥

मना मनौती आकर घर सै । जात लगा जो तोंकू परसै ॥

ध्वजा नारियल भेंट चढ़ावे । गुंगर लौंग सो ज्योति जलावै ॥

हलुआ पूरी भोग लगावै । रोली मेहंदी फूल चढ़ावे ॥

जो लांगुरिया गोद खिलावै । धन बल विद्या बुद्धि पावै ॥

जो माँ को जागरण करावै । चाँदी को सिर छत्र धरावै ॥

जीवन भर सारे सुख पावै । यश गौरव दुनिया में छावै ॥

जो भभूत मस्तक पै लगावे । भूत-प्रेत न वाय सतावै ॥

जो कैला चालीसा पढ़ता। नित्य नियम से इसे सुमरता ॥

मन वांछित वह फल को पाता । दुःख दारिद्र नष्ट हो जाता ॥

गोविन्द शिशु है शरण तुम्हारी । रक्षा कर कैला महतारी ॥

॥ दोहा ॥
संवत तत्व गुण नभ भुज सुन्दर रविवार । पौष सुदी दौज शुभ पूर्ण भयो यह कार ॥
॥ इति कैला देवी चालीसा समाप्त ॥

Kaila Devi Chalisa Lyrics in English and Hinglish

 doha

Jay jay kaila maat he, tumhe namau maath Sharan padun mein charan mein, jodun dono haath

Aap jani jaan ho, main mata anjaan Kshama bhool meri karo, karun tera gungan

 chaupai

Jay jay jay kaila mahaaraani Namo namo jagdamba bhavani

Sab jag ki ho bhaagya vidhaata Aadi shakti tu sabki maata

Dono bahin sabse nyaari Mahima aparmpar tumhaari

Shobha sadan sakal gunkhani Vaid puraanan maahee bakhani

Jay ho maat karouli waali Shat pranaam kaalisil waali

Jwalaaji mein jyoti tumhaari Hinglaaj mein tu mahatari

Tu hi nai saimeri waali Tu chaamunda tu kankali

Nagar kot mein tu hi viraaje Vindhyaanchal mein tu hi raajai

Dhaulagadh Beloun tu maata Vaishnavdevi jag vikhyaata

Nav durga tu maat bhavani Chaamunda mansha kalyani

Jay jay sooye chole waali Jay kaali Kalkatte waali

Tu hi Lakshmi tu hi Brahmani Parvati tu hi Indrani

Saraswati tu vidya daata Tu hi hai santoshi maata

Annapurna tu jag paalak Maat pita tu hi hum baalak

Tu Radha tu Savitri Tara Matangding Gayatri

Tu hi aadi sundari Amba Maat Charchika he Jagdamba

Ek haath mein khappar raajai Dooje haath trishool viraajai

Kalisil pai daanav maare Raja Nal ke kaaraj saare

Shumbh Nishumbh nasavni haari Mahishasur ko maaranwaari

Raktbeej ran beech pachaaro Shankhasur tainai sanhaaro

Unche neeche parvat waari Karti mata singh savaari

Dhvaja teri upar fahraave Teen lok mein yash phailaave

Asht prahar maa naubat baajai Chaandi ke chautra viraajai

Langur ghatuan chale bhavan mein Maat raaj tera tribhuvan mein

Ghanan ghanan ghan ghanta baajat Brahma Vishnu dev sab dhyavat

Aganit deep jale mandir mein Jyoti jale teri ghar-ghar mein

Chausath jogin aangan naachat Baaman Bhairon astuti gaavat

Dev danuj gandharv wa kinnar Bhoot pishaach naag naari nar

Sab mil mata toy manave Raat din tere gun gaave

Jo tera bole jaykaara Hoy maat uska nistara

Mana manauti aakar ghar sai Jaat laga jo tonku parasai

Dhvaja nariyal bhent chadhaave Gungar laung so jyoti jalaave

Halwa poori bhog lagaave Roli mehndi phool chadhaave

Jo languriyan god khilaave Dhan bal vidya buddhi paave

Jo maa ko jagran karaave Chaandi ko sir chhatra dharaave

Jeevan bhar saare sukh paave Yash gaurav duniya mein chhaave

Jo bhabhoot mastak pai lagaave Bhoot-preet na waay sataave

Jo kaila chalisa padhta Nitya niyam se ise sumarta

Man vaanchhit wah fal ko paata Dukh daaridra nasht ho jaata

Govind shishu hai sharan tumhaari Raksha kar kaila mahatari

 doha

Sanvat tattva gun nabh bhuj sundar ravivaar Paush sudi daooj shubh poorn bhayo yah kaar

 iti kaila devi chalisa samaapt

Kaila Devi Chalisa Meaning in Hindi

दोहा

1. **जय जय कैला मात हे, तुम्हे नमाउ माथ।**
    - भक्त माता कैला को सम्मान और श्रद्धा से प्रणाम कर रहा है।

2. **शरण पड़ूं में चरण में, जोड़ूं दोनों हाथ।**
    - भक्त माता के चरणों में शरण मांगता है और प्रार्थना के लिए हाथ जोड़ता है।

3. **आप जानी जान हो, मैं माता अंजान।**
    - भक्त माता को सर्वज्ञ मानते हुए खुद को अनजान बच्चा बताता है।

4. **क्षमा भूल मेरी करो, करूँ तेरा गुणगान।**
    - भक्त माता से अपनी गलतियों के लिए क्षमा मांगता है और उनकी महिमा गाने की इच्छा प्रकट करता है।

चौपाई

5. **जय जय जय कैला महारानी। नमो नमो जगदम्ब भवानी।**
    - भक्त माता कैला की स्तुति कर रहा है और उन्हें जगत की माता मानता है।

6. **सब जग की हो भाग्य विधाता। आदि शक्ति तू सबकी माता।**
    - माता को सृष्टि की भाग्य विधाता और सभी की मूल शक्ति बताता है।

7. **दोनों बहिना सबसे न्यारी। महिमा अपरम्पार तुम्हारी।**
    - माता को अन्य सभी बहनों से अधिक महत्वपूर्ण मानता है और उनकी महानता का वर्णन करता है।

8. **शोभा सदन सकल गुणखानी। वैद पुराणन माँही बखानी।**
    - माता के गुणों की शोभा और महिमा वेदों और पुराणों में वर्णित है।

9. **जय हो मात करौली वाली। शत प्रणाम कालीसिल वाली।**
    - भक्त माता को करौली में रहने वाली और कालीसिल की देवी मानकर उनकी पूजा कर रहा है।

10. **ज्वालाजी में ज्योति तुम्हारी। हिंगलाज में तू महतारी।**
    - माता का प्रकाश ज्वालाजी में और हिंगलाज में उनकी महत्ता का वर्णन करता है।

11. **तू ही नई सैमरी वाली। तू चामुंडा तू कंकाली।**
    - माता के विभिन्न रूपों का उल्लेख करते हुए उन्हें चामुंडा और कंकाली के रूप में पहचानता है।

12. **नगर कोट में तू ही विराजे। विंध्यांचल में तू ही राजै।**
    - भक्त माता को नगर के किले और विंध्याचल पर्वत पर राज करने वाली बताता है।

13. **धौलागढ़ बेलौन तू माता। वैष्णवदेवी जग विख्याता।**
    - माता को धौलागढ़ और वैष्णव देवी के रूप में पहचानता है।

14. **नव दुर्गा तू मात भवानी। चामुंडा मंशा कल्याणी।**
    - माता को नव दुर्गा और इच्छाओं को पूरा करने वाली बताता है।

15. **जय जय सूये चोले वाली। जय काली कलकत्ते वाली।**
    - भक्त माता की लाल चोली और काली के रूप में उनकी स्तुति करता है।

16. **तू ही लक्ष्मी तू ही ब्रम्हाणी। पार्वती तू ही इन्द्राणी।**
    - माता को विभिन्न देवियों के रूप में पहचानता है।

17. **सरस्वती तू विद्या दाता। तू ही है संतोषी माता।**
    - माता को ज्ञान की देवी और संतोष देने वाली बताता है।

18. **अन्नपुर्णा तू जग पालक। मात पिता तू ही हम बालक।**
    - भक्त माता को अन्न देने वाली और परिवार का पालन करने वाली बताता है।

19. **तू राधा तू सावित्री। तारा मतंग्डिंग गायत्री।**
    - भक्त माता को पवित्र नामों से सम्बोधित करता है।

20. **तू ही आदि सुंदरी अम्बा। मात चर्चिका हे जगदम्बा।**
    - माता को सुंदरता और जगदम्बा के रूप में पूजता है।

21. **एक हाथ में खप्पर राजै। दूजे हाथ त्रिशूल विराजै।**
    - माता के हाथों में खप्पर और त्रिशूल को दर्शाता है।

22. **कालीसिल पै दानव मारे। राजा नल के कारज सारे।**
    - भक्त माता को दानवों का संहार करने वाली बताता है।

23. **शुम्भ निशुम्भ नसावनि हारी। महिषासुर को मारनवारी।**
    - माता की शक्ति का उल्लेख करते हुए बताता है कि उन्होंने महिषासुर को हराया।

24. **रक्तबीज रण बीच पछारो। शंखासुर तैने संहारो।**
    - माता की वीरता का वर्णन करते हुए कहता है कि उन्होंने रक्तबीज और शंखासुर का संहार किया।

25. **ऊँचे नीचे पर्वत वारी। करती माता सिंह सवारी।**
    - माता पर्वतों की ऊँचाई पर चढ़ती हैं और सिंह की सवारी करती हैं।

26. **ध्वजा तेरी ऊपर फहरावे। तीन लोक में यश फैलावे।**
    - भक्त माता की ध्वजा की ऊँचाई और तीनों लोकों में उनके यश का प्रचार करता है।

27. **अष्ट प्रहर माँ नौबत बाजै। चाँदी के चौतरा विराजै।**
    - भक्त माता के नौबत की आवाज और चाँदी के चौतरे का उल्लेख करता है।

28. **लांगुर घटूअन चलै भवन में। मात राज तेरौ त्रिभुवन में।**
    - भक्त माता के मंदिर में चलने वाले भक्तों का वर्णन करता है।

29. **घनन घनन घन घंटा बाजत। ब्रह्मा विष्णु देव सब ध्यावत।**
    - भक्त कहता है कि घंटा बजता है और सभी देवता माता की स्तुति करते हैं।

30. **अगनित दीप जले मंदिर में। ज्योति जले तेरी घर-घर में।**
    - माता के मंदिर में अनगिनत दीप जलते हैं और उनके प्रकाश का वर्णन करता है।

31. **चौसठ जोगिन आंगन नाचत। बामन भैरों अस्तुति गावत।**
    - भक्त माता के आंगन में जोगिनों के नाचने और भैरों की स्तुति का वर्णन करता है।

32. **देव दनुज गन्धर्व व किन्नर। भूत पिशाच नाग नारी नर।**
    - सभी प्रकार के प्राणी माता की स्तुति करते हैं।

33. **सब मिल माता तोय मनावे। रात दिन तेरे गुण गावे।**
    - सभी लोग माता की पूजा करते हैं और दिन-रात उनके गुणों का गान करते हैं।

34. **जो तेरा बोले जयकारा। होय मात उसका निस्तारा।**
    - जो भी माता का जयकारा करता है, उसकी सभी समस्याएँ दूर हो जाती हैं।

35. **मना मनौती आकर घर सै। जात लगा जो तोंकू परसै।**
    - जो भी मनौती लेकर माता के पास आता है, उसकी इच्छा पूरी होती है।

36. **ध्वजा नारियल भेंट चढ़ावे। गुंगर लौंग सो ज्योति जलावै।**
    - भक्त माता को ध्वजा और नारियल भेंट चढ़ाता है।

37. **हलुआ पूरी भोग लगावै। रोली मेहंदी फूल चढ़ावे।**
    - भक्त माता को भोग चढ़ाता है और सजावट करता है।

38. **जो लांगुरिया गोद खिलावै। धन बल विद्या बुद्धि पावै।**
    - जो भी माता की गोद में खेलता है, उसे धन, बल, विद्या और बुद्धि मिलती है।

39. **जो माँ को जागरण करावै। चाँदी को सिर छत्र धरावै।**
    - जो भी माता का जागरण करता है, उसे विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है।

40. **जीवन भर सारे सुख पावै। यश गौरव दुनिया में छावै।**
    - माता की कृपा से व्यक्ति जीवनभर सुख और यश पाता है।

41. **जो भभूत मस्तक पै लगावे। भूत-प्रेत न वाय सतावै।**
    - जो भक्त भभूत लगाता है, वह बुरे प्रभावों से सुरक्षित रहता है।

42. **जो कैला चालीसा पढ़ता। नित्य नियम से इसे सुमरता।**
    - जो भी कैला चालीसा का पाठ करता है और नियमित रूप से इसका स्मरण करता है, उसे आशीर्वाद मिलता है।

43. **मन वांछित वह फल को पाता। दुःख दारिद्र नष्ट हो जाता।**
    - भक्त की इच्छाएँ पूरी होती हैं और उसके दुःख समाप्त हो जाते हैं।

44. **निस दिन जुग जुग जिये सदा। भक्त नसीब ता बिंदियाँ।**
    - माता की कृपा से भक्त का जीवन सदा सुखी रहता है।

45. **माता कैला की महिमा अपार। जन जन में हो तुम्हारा उद्धार।**
    - माता कैला की महानता का गुणगान करते हुए कहता है कि उनका उद्धार सभी के लिए है।

Kaila Devi Chalisa Meaning in English

Doha

1. **Jai Jai Kaila Maat He, Tumhe Namau Maath.**
    - The devotee is offering respectful salutations to Mother Kaila.

2. **Sharan Padu Main Charan Mein, Jodu Dono Haath.**
    - The devotee seeks refuge at her feet and joins both hands in prayer.

3. **Aap Jaani Jaan Ho, Main Mata Anjaan.**
    - The devotee acknowledges that Mother is all-knowing, while he considers himself ignorant.

4. **Kshama Bhool Meri Karo, Karun Tera Gungaan.**
    - The devotee asks for forgiveness for his mistakes and expresses the desire to sing her praises.

Chaupai

5. **Jai Jai Jai Kaila Maharani. Namo Namo Jagdamba Bhavani.**
    - The devotee praises Mother Kaila and salutes her as the universal mother, Bhavani.

6. **Sab Jag Ki Ho Bhagya Vidhata. Aadi Shakti Tu Sabki Mata.**
    - Mother is recognized as the creator of fate for the entire world and the primal energy that nurtures all.

7. **Dono Bahina Sabse Nyari. Mahima Aparmpar Tumhari.**
    - The devotee describes her as the most special among all sisters, praising her boundless glory.

8. **Shobha Sadan Sakal Gunkhani. Vaid Puranan Maahi Bakhaani.**
    - Her beauty and virtues are described in the scriptures and ancient texts.

9. **Jai Ho Maat Karoli Wali. Shat Pranaam Kaalisil Wali.**
    - The devotee venerates the Mother of Karoli and pays a hundred salutations to the goddess of Kalisil.

10. **Jwala Ji Mein Jyoti Tumhari. Hinglaj Mein Tu Mahatari.**
    - Mother’s light shines in Jwala Ji, and she is recognized as the great mother in Hinglaj.

11. **Tu Hi Nai Saimeri Wali. Tu Chamunda Tu Kankali.**
    - The devotee recognizes her as the one who protects and aspects of Chamunda and Kankali.

12. **Nagar Kot Mein Tu Hi Viraje. Vindhyanchal Mein Tu Hi Rajai.**
    - The devotee states that she reigns in the city fortress and rules over Vindhyanchal.

13. **Dhaulagadh Beloun Tu Mata. Vaishnavadevi Jag Vikhyata.**
    - She is recognized as the revered deity of Dhaulagadh and the famous Vaishnav Devi.

14. **Nav Durga Tu Maat Bhavani. Chamunda Mansha Kalyani.**
    - The devotee calls her the new Durga and the one who fulfills all desires.

15. **Jai Jai Sooye Chole Wali. Jai Kali Kolkata Wali.**
    - He praises her vibrant attire and acknowledges her as the goddess of Kolkata.

16. **Tu Hi Lakshmi Tu Hi Brahmani. Parvati Tu Hi Indrani.**
    - The devotee identifies her with the goddesses Lakshmi, Brahmani, Parvati, and Indrani.

17. **Saraswati Tu Vidya Data. Tu Hi Hai Santoshi Mata.**
    - Mother is honored as the giver of knowledge and the one who brings contentment.

18. **Annapurna Tu Jag Palak. Maat Pita Tu Hi Hum Balak.**
    - The devotee describes her as the nurturer of the world and considers himself her child.

19. **Tu Radha Tu Savitri. Tara Matangding Gayatri.**
    - Mother is compared to Radha, Savitri, and Gayatri, acknowledging her divine qualities.

20. **Tu Hi Aadi Sundari Amba. Maat Charchika He Jagdamba.**
    - The devotee refers to her as the original beautiful mother and calls her Jagdamba.

21. **Ek Haath Mein Khappar Rajai. Dooje Haath Trishul Virajai.**
    - The imagery of her holding a skull and a trident in her hands is invoked.

22. **Kalisil Pe Danav Maare. Raja Nal Ke Karaj Saare.**
    - She is said to defeat demons and accomplish the tasks of King Nal.

23. **Shumbh Nishumbh Nasavni Haari. Mahishasur Ko Maranwari.**
    - The devotee mentions her victory over the demons Shumbh and Nishumbh, and her defeat of Mahishasur.

24. **Raktbeej Ran Beech Pachar. Shankhasur Tainai Sanhar.**

- She is recognized for destroying Raktbeej in battle and defeating Shankhasur.

25. **Unche Neeche Parvat Wari. Kartti Mata Singh Sawari.**
    - The devotee describes her riding a lion across the heights and depths of mountains.

26. **Dhvaj Teri Upar Fahraave. Teen Lok Mein Yash Phailaave.**
    - The flag of Mother waves high, spreading her glory throughout the three realms.

27. **Asht Prahar Maa Naubat Bajai. Chaandi Ke Chautara Virajai.**
    - The sound of musical instruments is heard as she presides over her silver platform.

28. **Langer Ghatunan Chalay Bhavan Mein. Mata Raj Terou Tribhuvan Mein.**
    - Devotees are seen walking towards her abode, recognizing her sovereignty over the universe.

29. **Ghanan Ghanan Ghan Ghanta Bajat. Brahma Vishnu Dev Sab Dhyavat.**
    - The bells toll, while all gods, including Brahma and Vishnu, meditate on her.

30. **Aganit Deep Jale Mandir Mein. Jyoti Jale Teri Ghar-Ghar Mein.**
    - Countless lamps illuminate her temple, and her light shines in every home.

31. **Chausath Yogin Aangan Nachat. Baaman Bhairon Astit Gavat.**
    - Sixty-four yoginis dance in her courtyard while Bhairon sings her praises.

32. **Dev Danuj Gandharv Wa Kinnar. Bhoot Pishach Naag Naari Nar.**
    - All creatures, from gods to demons, kinnar, and humans, come together to honor her.

33. **Sab Mil Mata Toy Manave. Raat Din Tere Gun Gave.**
    - Everyone unites to worship Mother, singing her glories day and night.

34. **Jo Tera Bole Jaykara. Hoy Mata Uska Nistara.**
    - Anyone who chants her praises will find liberation and relief from their troubles.

35. **Mana Manoti Aakar Ghar Se. Jaat Laga Jo Tonku Parse.**
    - Those who come to her with wishes will see their prayers answered.

36. **Dhvaj Nariyal Bhent Chadhave. Gungar Loung So Jyoti Jalave.**
    - Devotees offer flags and coconuts and light lamps as offerings.

37. **Halwa Puri Bhog Lagave. Roli Mehndi Phool Chadhave.**
    - The devotee offers sweets, puris, and decorations like roli, mehndi, and flowers.

38. **Jo Langeriya God Khilave. Dhan Bal Vidya Buddhi Pave.**
    - Those who play in her lap will be blessed with wealth, strength, knowledge, and wisdom.

39. **Jo Maa Ko Jagran Karave. Chaandi Ko Sir Chhat Dharave.**
    - Those who hold a night vigil for her will receive special blessings.

40. **Jeevan Bhar Saare Sukh Pave. Yash Gaurav Duniya Mein Chhaave.**
    - By her grace, devotees will experience happiness and glory in their lives.

41. **Jo Bhabhut Mastak Pe Lagave. Bhoot-Pret Na Vay Satave.**
    - Anyone who applies sacred ash on their forehead will be protected from evil spirits.

42. **Jo Kaila Chalisa Padhta. Nitya Niyam Se Ise Sumarata.**
    - Those who recite the Kaila Chalisa regularly will be blessed by her.

43. **Man Vaanchhit Wah Phal Ko Pata. Dukh Dard Nasht Ho Jata.**
    - Their desires will be fulfilled, and their sorrows will disappear.

44. **Nis Din Jug Jug Jiye Sada. Bhakt Naseeb Taa Bindiyan.**
    - With her blessings, the devotee will live joyfully and have a prosperous destiny.

45. **Mata Kaila Ki Mahima Apaar. Jan Jan Mein Ho Tumhara Uddhaar.**
    - The devotee concludes by proclaiming the immense glory of Mother Kaila, emphasizing her salvific presence for all.